Research Paper

सारांश

प्रस्तावना/भूमिका

संबंधित साहित्य का अध्ययन

समस्या का कथन

प्रकार्यात्मक परिभाषायें

चर

परिसीमन/क्षे.

अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन की परिकल्पनायें

शोध विधि

न्यादर्श चयन का आधार

उपकरण

सांख्यिकीय अभिप्रयोग

प्रगत्यों की व्याख्या एवं विश्लेषण

परिकल्पना

सारणी/ग्राफ

व्याख्या

निष्कर्ष

सुझाव

अनुकरणीय अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ सूची

‘‘ उच्चतर माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षिकाओं के प्रबंधकीय कार्यो का तुलनात्मक अध्ययन ‘‘

शोध निर्देशिका – डॉ. सौम्या नैयर

शोध छात्रा – अनुश्री परमाले

सारांश –

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य सरकारी और निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयेां की शिक्षिकाओ पर पडने वाले प्रबंधकीय कार्यो के भार का तुलनात्मकं अध्ययन करना है । शोध के निष्कर्ष बताते है कि दोनेां क्षेत्रों मे कार्यो का स्वरूप अलग अलग है । जो कि सर्वेखण विधि द्वारा सरकारी निजी विद्यालयों की 50–50 शिक्षिकाओं की प्रश्नावली निराकरण से पता चलती है जिससे शिक्षकों की शिक्षण गुणवत्ता पभावित होती है ।

प्रस्तावना/भूमिका

शिक्षा प्रणाली मे शिक्षक की भूमिका केवल अध्यापन तक सीमित नहीं है । विद्यालय के सुचारू संचालन के लिये शिक्षकों को कोई प्रबंधकीय कार्यो जैसे – रिकार्ड संधारण, समय सारणी निर्माण और बैठकों का हिस्सा बनना पडता है । उच्चतर माध्यमिक स्तर पर यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है । क्योकि यहां छात्रों का भविष्य तय होता है ।

संबंधित साहित्य का अध्ययन –

पूर्व के शोधों (जैसे शर्मा, 2022) के अनुसार सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों का काफी समय गैर शैक्षिणिक सरकारी कार्यो में व्यतीत होता है । वहीं निजी विद्यालयों मे प्रबंधन द्वारा रिर्पोटिंग और अनुशासन संबंधी कार्यो पर अधिक जोर दिया जाता है ।

समस्या का कथन –

उच्चतर माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों की शिक्षिकाओं के प्रबंधकीय कार्यो का तुलनात्मक अध्ययन ।

प्रकार्यात्मक परिभाषायें –

उच्चतर माध्यमिक स्तर – कक्षा 11वीं और 12वीं की शिक्षा

प्रबंधकीय कार्य – अध्यापन के अतिरक्त किये जाने वाले प्रशासनिक कार्य जैसे उपस्थिति पंजी, परिणाम तेयार करना ओर समितियों का संचालन ।

चर

स्वतंत्र चर – विद्यालय का प्रकार (सरकारी एवं निजी)

आश्रित चर – शिक्षकों के प्रबंधकीय कार्य

परिसीमन/क्षेत्र

यह अध्ययन केवल रायपुर जिले के 100 शिक्षकों (50 सरकारी और 50 निजी) तक सीमित है ।

अध्ययन के उद्देश्य –

शोध के अनुसार अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित है –

1. सरकारी एवं निजी विद्यालयेां के उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षको की प्रशासनिक दक्षता का अध्ययन ।
2. सरकारी एवं निजी विद्यालयेां के उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के प्रबंधकीय कार्यो में आने वाली चुनौतियेां का अध्ययन ।

अध्ययन की परिकल्पनायें –

अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार परिकल्पनाएं निम्नलिखित है

H 1 सरकारी और निजी विघालयो के शिक्षको की प्रशासनिक दक्षता मे कोई सार्थक अंतर नही पाया गया ।

H 2 सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षको की प्रबंधकीय चुनौतियो के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गा ।

शोध विधि –

इस शोध मे वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है ।

न्यादर्श चयन का आकार –

प्रस्तुत अध्ययन के लिये साधारण यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा सरकारी एवं निजी विद्यालयों के 100 शिक्षकाओं का चयन किया गया ।

सारणी कमांक 1.0

विद्यालय	महिला समूह	कुल
सरकारी	50	
निजी	50	100

उपकरण –

आंकडों के एकत्रीकरण के लिये डॉ. अभिजीत देव एवं डा. सुभाष सरकार द्वारा निर्मित प्रंबंधकीय कार्य प्रश्नावली का उपयोग किया गया ।

सांख्यिकीय अनुप्रयोग –

प्राप्त डेटा विश्लेषणं के लिये मध्यमान, मानक विचलन और कांतिक अनुपात का प्रयोग किया गया ।

प्रगत्यों की व्याख्या एवं विश्लेषण –

डेटा विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि सरकारी शिक्षक चुनाव डिय्टी जनगणना और अन्य सरकारी योजनाओं के प्रबंधन में व्यस्त रहते है, जबकि निजी शिक्षक संस्थागत रिपोर्टिग और अभिभावक शिक्षक संवाद मे अधिक समय देते हैं ।

परिकल्पना का प्रमाणीकरण एवं ग्राफ –

सरकारी और निजी विद्यालयें कके शिक्षिकाओं की कक्षा प्रबंधन दक्षता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।

सारणी कमांक 1.1

कमांक	समूह	एन	माध्य	मानक विचलन	सीआर	सारणी मान
1	सरकारी	50	72	8.4	1.87	1.96
2	निजी	50	75	7.6		

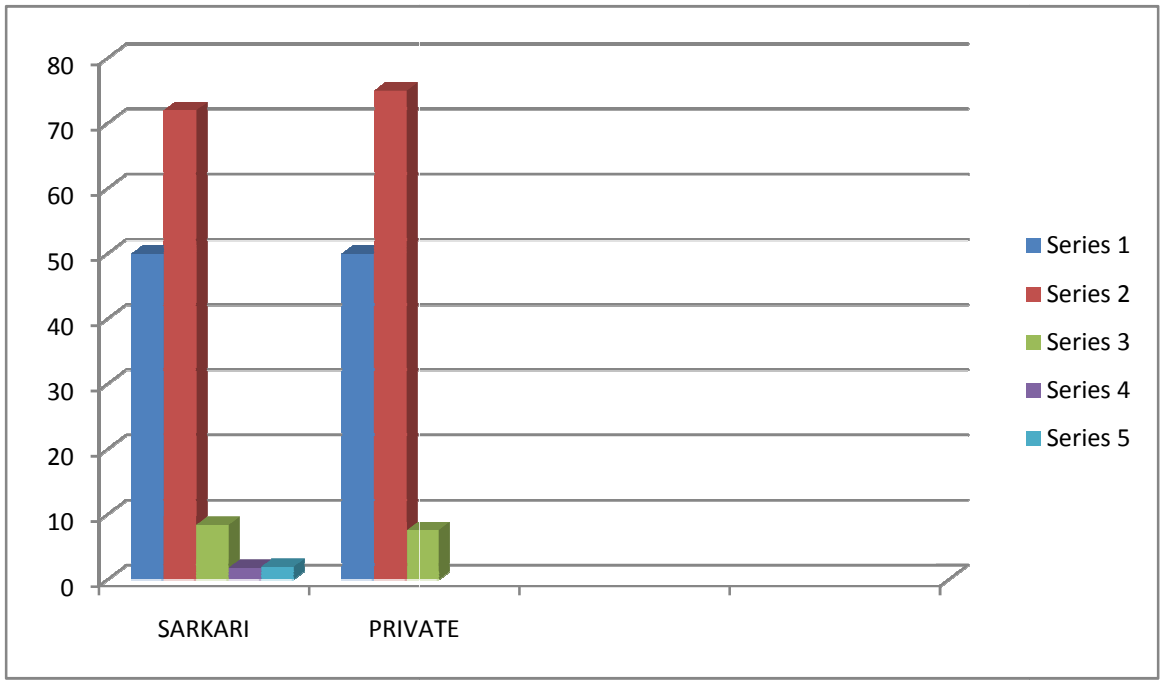

व्याख्या एवं विश्लेषण – सारणी कमांक 1.1 के शिक्षको की संख्या 100, माध्यम 72,75 मानक विचलन 8.4, 7.6 सीआर 1.87 जबकि सारणी मान 1.96 है । अंतः 0. 05 स्तर पर शुन्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है अतः स्पष्ट होता है तक सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के प्रबंधकीय कार्यो मैं कोई महत्वपूर्ण अंरत नहीं पाया गया ।

सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों की प्रशासनिक चुनौतियों के मध्य सार्थक अंतर नही पाया गया ।

सारणी कमांक 1.2

कर्मांक	स्मूह	एन	माध्य	मानक विचलन	सीआर	सरणी मान
1	सरकारी	50	68	9ण्0	1ण्14	1.96
2	निजी	50	70	8ण्5		

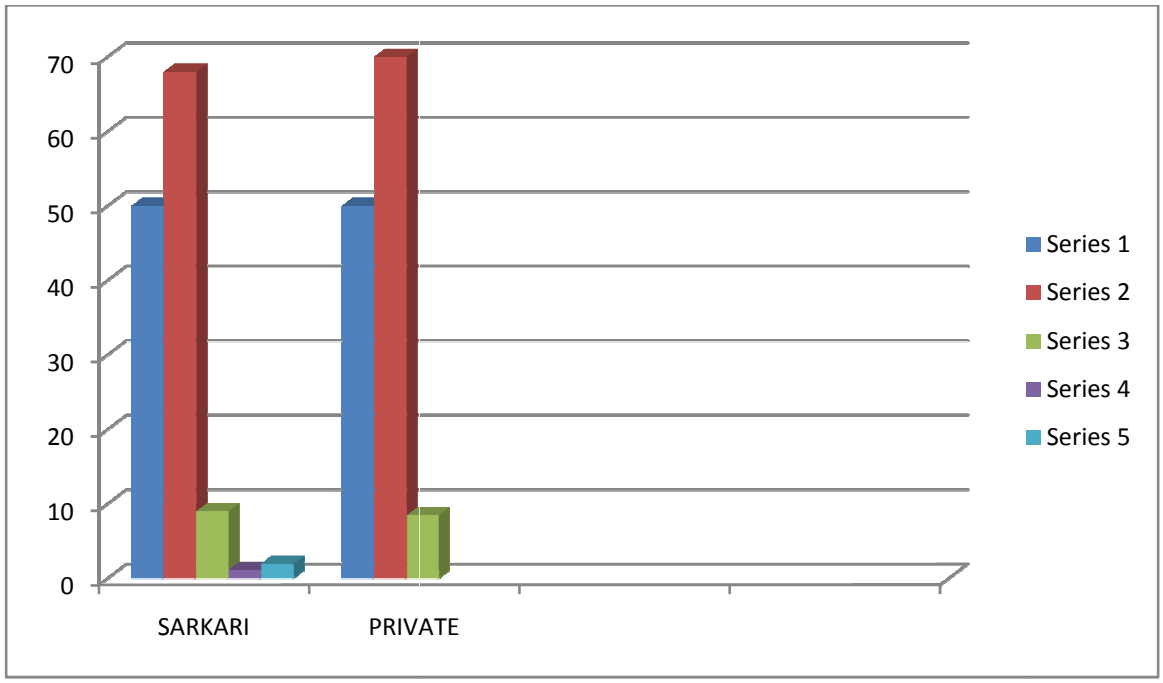

व्याख्या एवं विश्लेषण – सारणी कमांक 1.1 के शिक्षको की संख्या 100, माध्यम 68, 70 मानक विचलन 9.0 और 8.5 सीआर 1.14 जबकि सारणी मान 1.96 है । अंतः 0. 05 स्तर पर शुन्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है अतः स्पष्ट होता है तक सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के प्रबंधकीय कार्यो मैं कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया ।

निष्कर्ष –

प्रदत्तों के व्याख्या एवं विश्लेषण के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये गये हैं –

1. शासकीय एवं निजी विद्यालयेां के शिक्षिकाओं के प्रबंधकीय कार्यो एवं प्रशासनिक दक्षता मैं कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया ।
2. शासकीय एवं निजी विद्यालीयेां के शिक्षिकाओं के प्रबंधकीय कार्यो एवं प्रशासनिक दक्षता का स्तर एक समान है ।

उपसंहार –

प्रदत्तों की व्याख्या एवं विश्लेषण से यह सत्यापित होता है कि सरकारी एवं निजी विद्यालयों के प्रबंधकीय कार्यो एवं प्रशासनिक दक्षता से कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया इसके अलावा सरकार द्वारा तथा निजी संस्थानों द्वारा विद्यालयों में शिक्षण कौशल के विकास के लिये कार्यकम चलाये जाते है तथा कार्यो की गुणवत्ता बेहतर करने के लिये कार्य करवाये जाते है ।

सुझाव –

1. सरकारी एवं निजी दोनों प्रकार के विद्यालयों में शिक्षकों के प्रबंधकीय कार्यो को और प्रभावी बनाने हेतु समय समय पर प्रशिक्षण कार्यकम आयेाजित किये जाने चाहिये ।
2. शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों एवं प्रबंधन कौशलों की जानकारी प्रदान की जानी चाहिये जिससे उनके कार्य मैं गुणवत्ता आये ।
3. शिक्षको के कार्यों का समय समय पर मूल्यांकन एवं मार्गदर्शन किया जाना चाहिये । जिससे उनकी कार्यक्षमता मैं सुधार हो सके ।

अनुकरणीय अध्ययन –

वर्तमान अध्ययन मैं केवल शिक्षकों के प्रबंधकीय कार्यो का ही विश्लेषण किया गया है जकि भविष्य में विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि तथा अन्य सबंधित कार्यो ने भी सम्मिलित किया जा सकता है । साथ ही शिक्षकों के अनुभव प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक योग्यता जैसे तत्वों के प्रभाव का भी गहन अध्ययन किया जा सकता है ।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

भटनागर– आर.पी.एवं वर्मा आई.बी. (2020) एजुकेशन मैनेजमेंट आर.लाल बुंक डिपो मेरठ ।

शर्मा आर.ए. (2018) एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेंशन एंड मैनेजमेंट आर. लाल. बुक डिपो मेरठ

मोहती, जे. (2016) एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन सुपर विजन एंड स्कूल मैनेजमेंट । दीप एंड दीप पब्लिकेशन नई दिल्ली

सक्सेना एन आर. मिश्रा बी.के. एवं मोहंती आर.के. (2019) भारतीय समाज के उभरते परिप्रेक्ष्य को शिक्षक एवं शिक्षा । सूर्या पब्लिकेशन मेरठ ।